

निर्देश :-

परीक्षक स्वविवेकानुसार मूल्यांकन करें।

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 2+2+2+2=8

1. सुबुद्ध वक्ता।

1

2. छोटी -सी बात को बहुत बड़ा बना देना।

1

3. व्यक्ति के बोलने का विवेक, कला और पटुता ही उसकी शोभा और आकर्षण है।

2

4. जो लोग अपनी बात को बड़ा-चढ़ाकर कहते हैं, अकारण ही अपने बारे में बखान करके दूसरों का समय नष्ट करते हैं। ऐसे व्यक्तियों से लोग ऊब जाते हैं।

2

5. मनुष्य का कम बोलना, सार्थक और कल्याणकारी बोलना, इसी को उसकी वाणी का तप कहा गया है।

2

2(क)(1) प्र + आचार्य

1X 2=2

(2) विकल्प + इक

(ख)(1) शिव का आलय, तत्पुरुष समास

1X 2=2

(2) निसंदेह, अव्ययीभाव समास

(ग)(1) विस्मयवाचक वाक्य

1X 2=2

(2) संकेतवाचक वाक्य

3(क) जटिल प्राणियों के लिए। वे उन्हें ठीक प्रकार समझ पाने में असमर्थ रहते थे जबकि सालिम अली का जीवन सीधा सरल था।

1X4=4

(ख) नीलकंठ की गौरैया ने, घायल होने वाली घटना।

(ग) नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप।

(घ) डी एच लॉरेंस, पक्षी विज्ञानी

4 यथा उचित बिंदुओं पर अंक दिए जाएंगे।

2X 3=6

5(1) कवि, सरसो को विवाह योग्य कन्या के रूप में देखता है। सरसो बड़ी हो गई है

1X4=4

(2) बसंत ऋतु

(3) विवाह करना

(4) चंद्र गहना से लौटती बेर, केदारनाथ अग्रवाल

6 यथा उचित बिंदुओं पर अंक दिए जाएंगे।

2X3=6

7 जो अपने स्वार्थ तक सीमित न रहकर दूसरों के बारे में सोचते हैं। दूसरों की गोपनीय बातें सार्वजनिक नहीं करते हैं। दूसरों की भलाई के लिए अपना तन मन धन सभी लगा देते हैं। दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करते हैं।



अथवा

अपनी पुत्री का विवाह ऐसे नौजवान से कराया जिसे आज़ादी के आन्दोलन में भाग लेने के कारण आई.पी.एस. परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया था।

खण्ड- घ (लेखन )

1+2+1=4

8 पत्र लेखन

प्रारूप - 1

विषय वस्तु - 2

वर्तनी , भाषा शुद्धता - 1